दैत्य और खिलौनों की सेल

दैत्य और
खिलौनों की सेल

एक दिन दैत्य और छोटा लड़का अखबार पढ़ते हुए कुर्सी पर बैठे थे. वे एक फिल्म शो जाने की तैयारी कर रहे थे. फिर उन्हें एक विज्ञापन दिखाई दिया. उसमें लिखा था : "खिलौनों की सेल". इसका मतलब था कि वहां कम कीमत के खिलौने होंगे. पैसे बचाने और कुछ खरीदने का यह अच्छा मौका था. वहां कुछ खिलौने बहुत सस्ते मिल सकते थे.

दैत्य और छोटे लड़के ने तय किया कि वे कुछ विशेष खरीदने के लिए खिलौनों वाली दुकान पर जाएंगे.

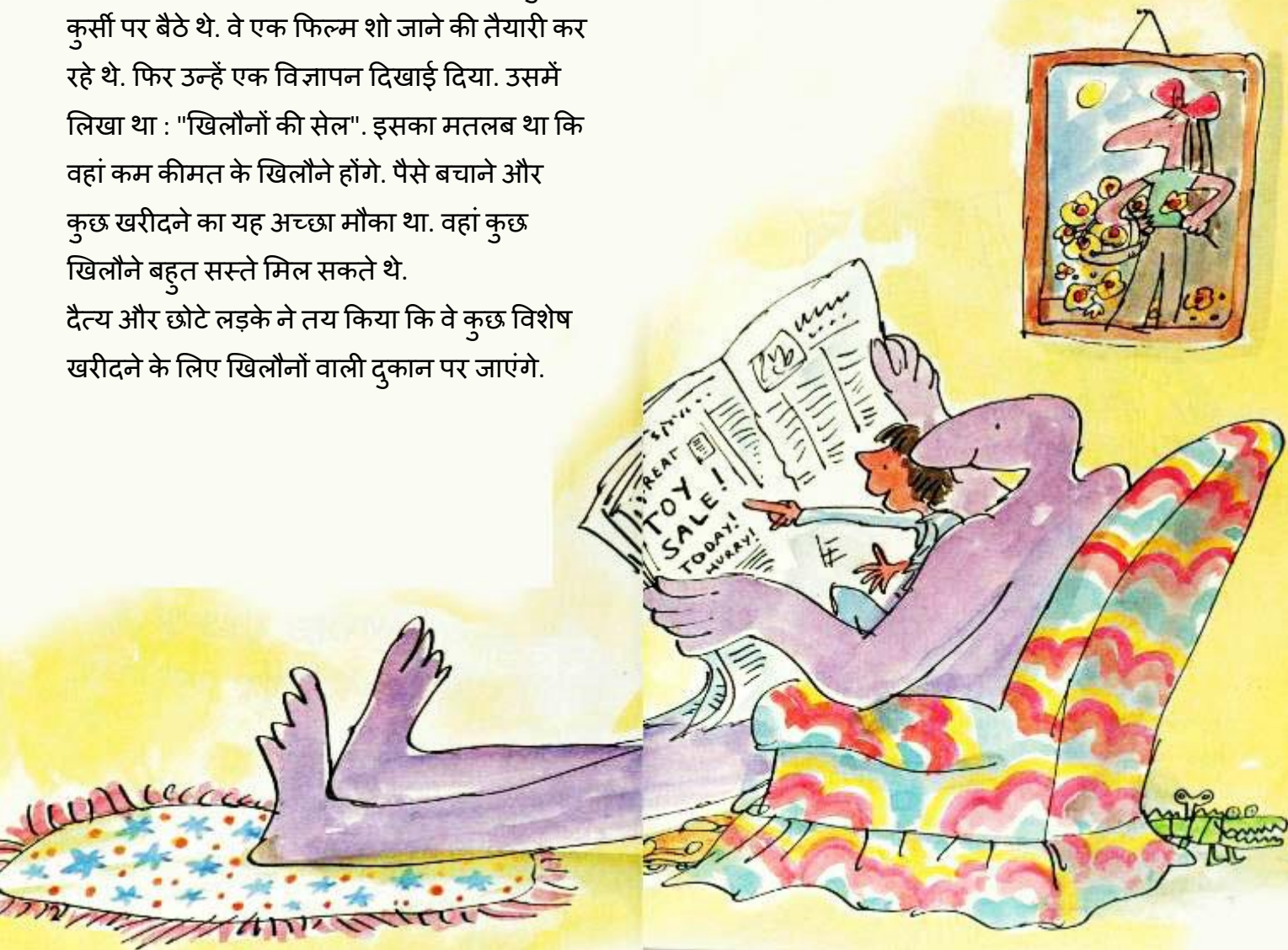

दैत्य और छोटे लड़के ने अपने कोट पहने और जाने के लिए तैयार हुए. दैत्य अपनी जादुई छतरी और मफलर साथ लेकर चला. उसने अपना मफलर साथ इसलिए लिया क्योंकि बाहर ठंड हो सकती थी.

दैत्य और छोटा लड़का खिलौने की दुकान पर पहुँचने की जल्दी में थे. वे बाइक पर सवार हुए. दैत्य ने छोटे लड़के को बाइक पर आगे बैठाया. फिर उसने कहा, "चलो अब चलते हैं खिलौनों की दुकान की तरफ."

दैत्य और छोटे लड़के ने मोड़ पार किया. फिर वे एक
ट्रैफिक जाम में फंस गए. ट्रैफिक लाइट ने काम करना बंद
कर दिया. वो लाल ही रही और उसका रंग नहीं बदला.
सभी कारे रुक गयीं.
हर कोई हॉर्न और भोंपू बजा रहा था. लोग चिल्ला रहे थे.
"जल्दी करो. हमें जाना है. हमें तेजी से अपने ऑफिस
पहुंचना है. हम नहीं चाहते कि पहुँचने में हमें एक साल
लगे," एक आदमी बहुत जोर से चिल्ला रहा था.
लोग काम पर जाने की कोशिश कर रहे थे.
उन्हें देर हो रही थी. बहुत गड़बड़ थी.
अगर कोई उनकी मदद नहीं करता तो शायद
उस दिन वो काम पर नहीं पहुँच पाते.

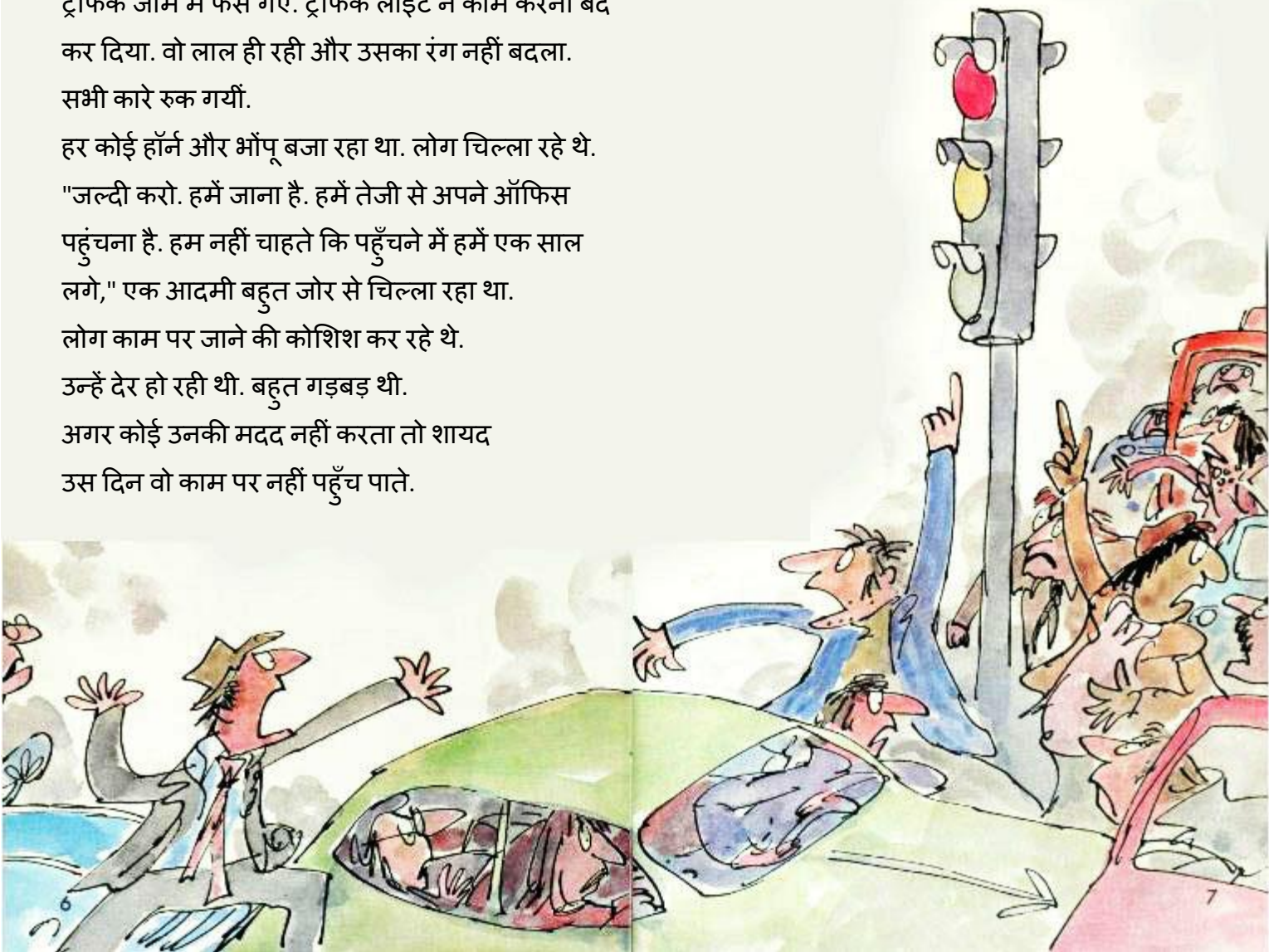

दैत्य ट्रैफिक जाम के बीच में फंसा था.
उसने अपनी बाइक को खड़ा किया.
उसने सोचा कि अगर लोग महत्वपूर्ण स्थानों
पर, अपने ऑफिस नहीं पहुंच पाए तो यह बहुत
बुरी बात होगी.

दैत्य ने अपनी जादुई छतरी खोली की जिससे हर कोई उसे देख सके. फिर उसने एक पुलिसवाले की तरह काम किया. उसने कारों को नियंत्रित करने के लिए छतरी का उपयोग किया. वो उन कारों की तरफ बढ़ा जिन्हें चलना चाहिए था और तब उन कारों ने चलना शुरू किया. फिर उसने दूसरी कारों को रुकने का संकेत दिया.

जब वो कारों को देखकर अपना हाथ लहराता तो इसका मतलब था "जाओ". जब वो अपनी हथेली ऊपर उठाता तो उसका मतलब होता "रुको". वो हर मिनट किसी को रोक रहा था और किसी को जाने दे रहा था. जो कारें रुकी पड़ी थीं वे अब जा रही थीं. जो जा रही थीं, उन्हें उसने रोका.

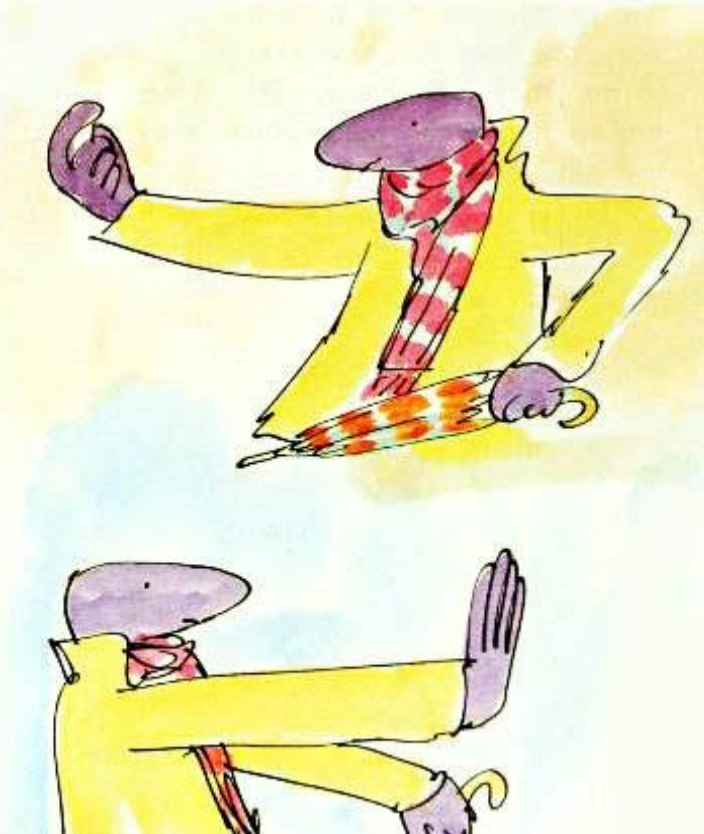

दैत्य का काम रंग लाया.

ट्रैफिक चलने लगा, और जैम ख़त्म हो गया.

अब दैत्य एक ट्रैफिक पुलिसमैन बन गया था.

अब लोग फिर से आ-जा रहे थे.

वे अब अपने ऑफिस पहुँच सकते थे.

वे खुश नजर आ रहे थे. पहले वे गुस्से में थे.

पर अब वे प्रसन्न थे.

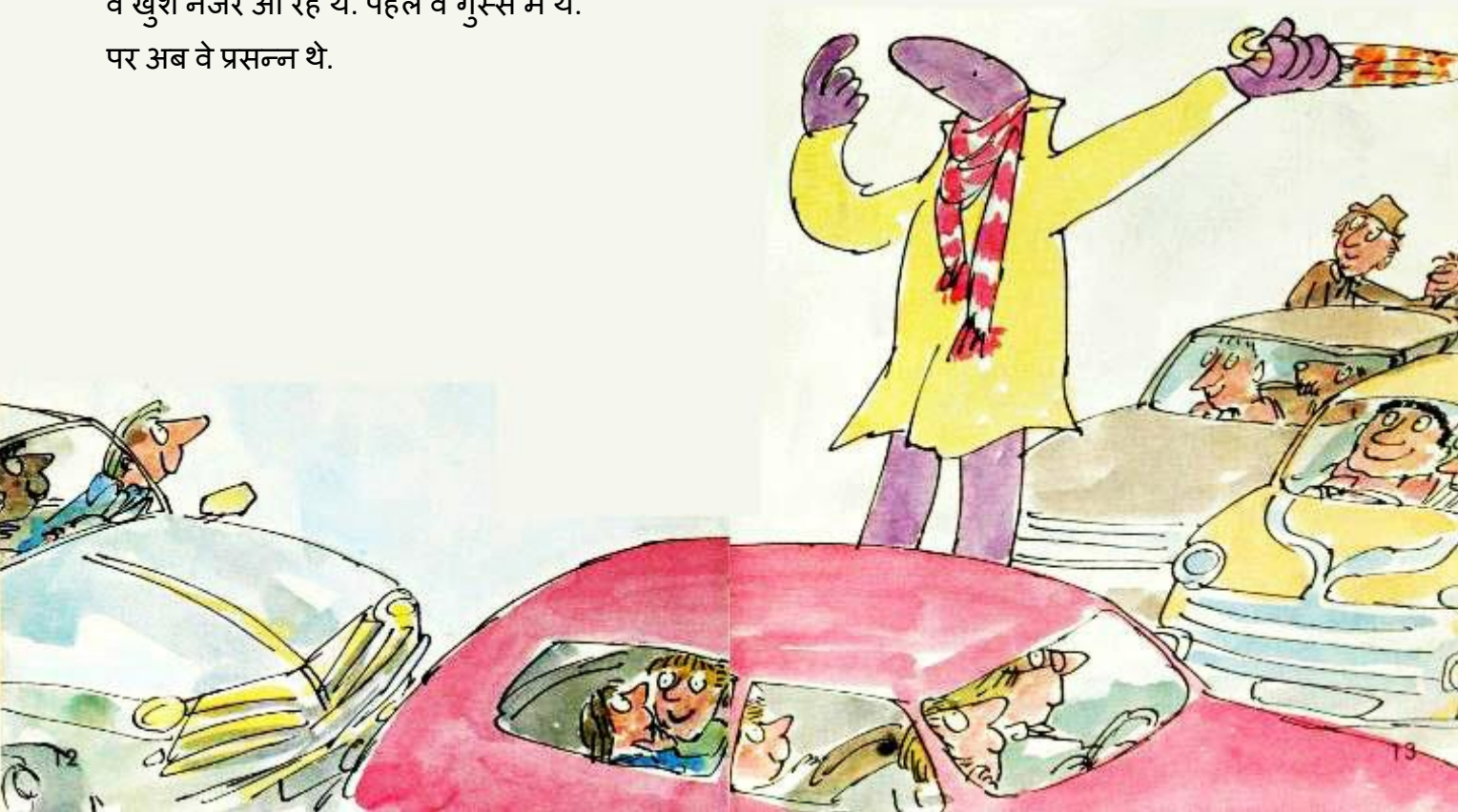

दैत्य मदद करने में इसलिए सक्षम था क्योंकि वो बहुत ऊंचा था इसलिए हर कोई उसे देख सकता था.
जब वो अपने हाथ हिलाता
तो हर कोई उसके निर्देश देख सकता था.
दैत्य ने तब तक ट्रैफिक संभाला जब तक कि बत्तियों को ठीक करने वाला मिस्त्री नहीं आया. मिस्त्री को सिर्फ कुछ मिनट ही लगे. मिस्त्री ने बल्ब को बदला.
फिर ट्रैफिक लाइट काम करने लगी और उसके लाल,
पीले और हरे रंग के बल्ब जगमगाने लगे.

दैत्य और छोटा लड़का बाइक पर वापस बैठे.
वे खिलौने की दुकान पर गए. वे खिलौनों की सेल में से कुछ खरीदना चाहते थे.

अंत में वे खिलौनों की सेल में पहुंचे.
वहां बहुत सारे लोग पहले से ही मौजूद थे.
खिड़की में एक साइन-बोर्ड लगा था :
"आज की सबसे सस्ती सेल!"
दैत्य और छोटा लड़का काफी दुखी हुए.
सेल के लिए इतनी भीड़ थी कि स्टोर के अंदर
घुसने के लिए एक लंबी लाइन लगी थी.
कहीं ऐसा न हो कि दुकान का सब सामान ही बिक जाए?
फिर उन्हें वे चीज़े नहीं मिलेंगी जिन्हें वे खरीदना चाहते थे.
लोगों की बड़ी भारी भीड़ थी.

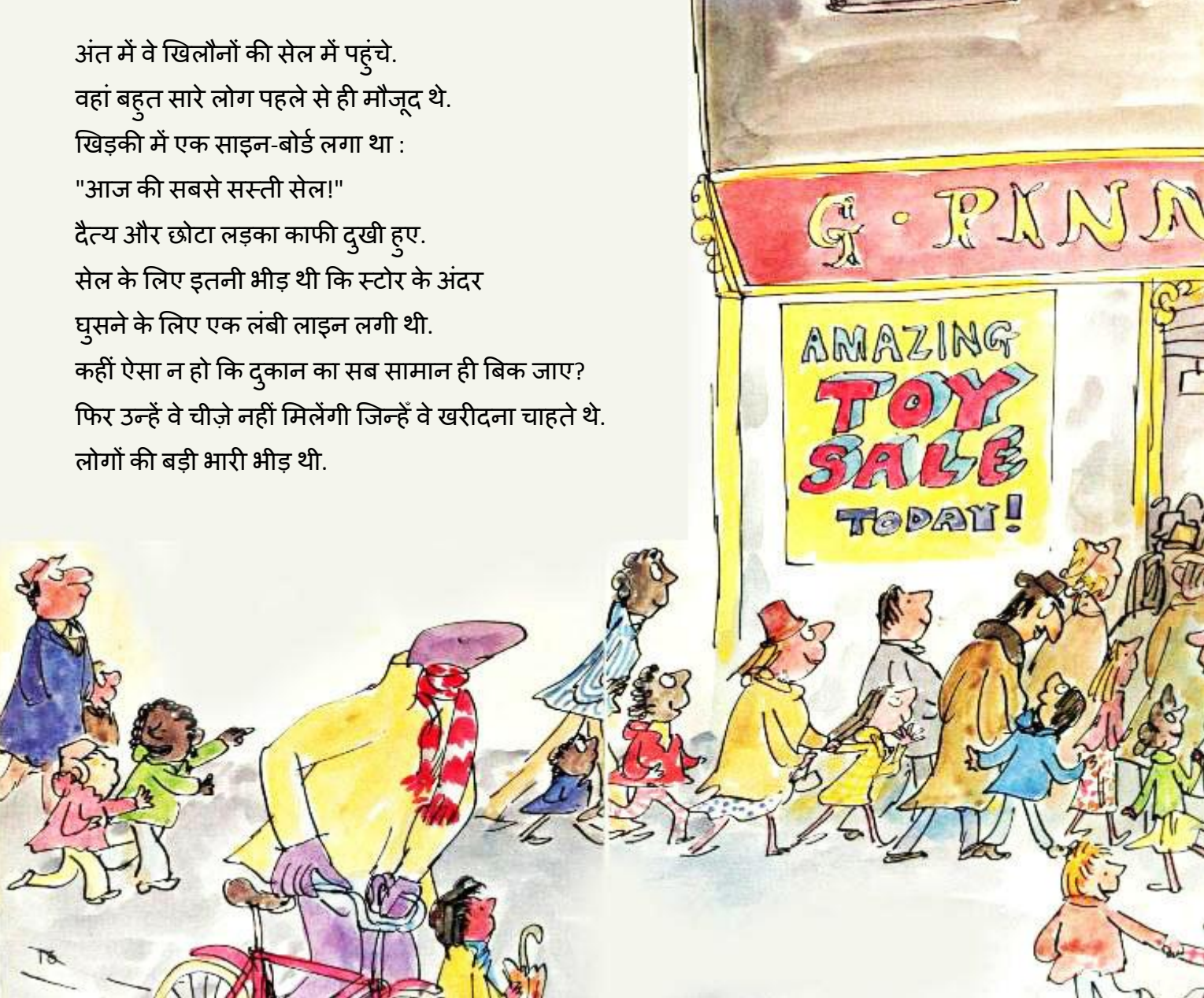

अंत में, दैत्य और छोटा लड़का स्टोर के अंदर घुसे. उनके अंदर खोने का डर था क्योंकि हर जगह लोग ही लोग थे.

छोटा लड़का दैत्य के कंधे पर चढ़ गया ताकि क्या चल रहा था वो उस नज़ारे को देख सके.

दैत्य को लगा जैसे उसके कोट को पीछे से कोई खींच रहा हो. छोटे लड़के ने किसी बच्चे की आवाज़ भी सुनी. उसने नीचे देखा. वहां एक छोटी लड़की थी. वो दैत्य को पकड़े हुए थी. वह रो रही थी. वो अपने पिता से बिछड़ गई थी. उसने बताया जब पिताजी खरीदारी कर रहे थे तब वो खिलौनों से खेलने चली गई थी. अब उसे पिताजी कहीं मिल नहीं रहे थे.

दैत्य ने हवा में छोटी लड़की को उठाया
ताकि स्टोर में सभी लोग उसको देख सकें.
छोटी लड़की ने चारों ओर देखा.
उसने पूरी दुकान में देखा.
फिर उसे अपने पिताजी दिखाई दिए.
वो फर्श पर ट्रेन और विमानों के खिलौनों के
साथ खेल रहे थे.
छोटी लड़की को उसके पिता मिल गए.
उसने कहा, "धन्यवाद, दैत्य."

फिर एक महिला मिलीं. वो बहुत दुखी लग रही थीं.
वो काफी चिंतित थीं. उनका बेटा खो गया था.
वो कह रही थीं, "मालूम नहीं कहाँ खो गया है.
उसकी आंखें और बाल भूरे हैं और वो नीली शर्ट
और लाल पैंट पहने है."

दैत्य और छोटे लड़के ने लोगों की भीड़ में
उसे खोजने की कोशिश की.

अंत में उसे वो छोटा लड़का मिल गया.
वह गुड़ियों और कठपुतलियों के साथ खेल रहा था.
दैत्य ने कहा, " वो रहा आपका छोटा लड़का."
मां बहुत खुश हुईं. उन्होंने कहा, "थैंक यू दैत्य."

दैत्य खोए हुए लोगों को खोजने में सक्षम था क्योंकि वो इतना ऊंचा था. लोग पूरी दुकान को नहीं देख पा रहे थे क्योंकि वो बहुत बड़ी थी और वहां बहुत भीड़ थी.

लेकिन दैत्य सब कुछ देखने में सक्षम था. लोग उससे सवाल पूछते रहे. हर कोई दैत्य से पूछता कि उन्हें किस रास्ते से जाना चाहिए. दैत्य स्टोर में एक ट्रैफिक पुलिसमैन बन गया था, लेकिन अब कारों को नियंत्रित करने के बजाय वह लोगों को रास्ता बता रहा था. छोटा लड़का भी उसमें मदद कर रहा था.

दैत्य कुछ भी खरीदारी नहीं कर पाया. वो बस खोये हुए, बिछड़े हुए लोगों को खोजने में व्यस्त था. पहले उसने बच्चों और उनके माता-पिता को ढूँढा. फिर उसने लोगों को बताया कि स्टोर में चीजें कहां थीं. लोग जानना चाहते थे कि फायर ट्रक, गुड़िया,पहेली, रेलगाड़ी, साइकिल और कठपुतलियों जैसी चीजें कहां मिलेंगी.

दैत्य लोगों को रास्ता बताता ताकि लोगों को पता चले कि उन्हें कहां जाना है. लोग सोचने लगे कि दैत्य ही स्टोर का मैनेजर था.

दैत्य क्योंकि इतना ऊंचा था इसलिए वह हर चीज के ऊपर देख सकता था. वो एक विशाल राक्षस की तरह था!

थोड़ी देर बाद सब लोग ने स्टोर छोड़ना शुरू कर दिया. अब लोगों के पास बहुत सारे पैकेज, बंडल आदि थे. लोगों ने कहा, "धन्यवाद, दैत्य. आपने हमारी बड़ी मदद की."

स्टोर के मैनेजर ने भी कहा, "अब दुकान के बंद होने का समय हो गया है." उसने भी दैत्य को धन्यवाद दिया.

दैत्य और छोटा लड़का दुखी थे. उन्हें उस सस्ती सेल में कुछ भी खरीदने का मौका नहीं मिला. छोटे लड़के ने कहा, "हम कुछ खरीदने के लिए दुकान में आए थे. पहले हम कारों के लिए ट्रैफिक पुलिसमैन बने और फिर हमने लोगों की मदद की. हम बहुत व्यस्त रहे. हमने घर ले जाने के लिए कुछ भी नहीं खरीदा. अब जाने का समय हो गया है. .. "
दैत्य और छोटे लड़के ने अपनी बाइक उठाई और फिर वे घर के लिए चले. वे खुद को दुखी महसूस कर रहे हैं.

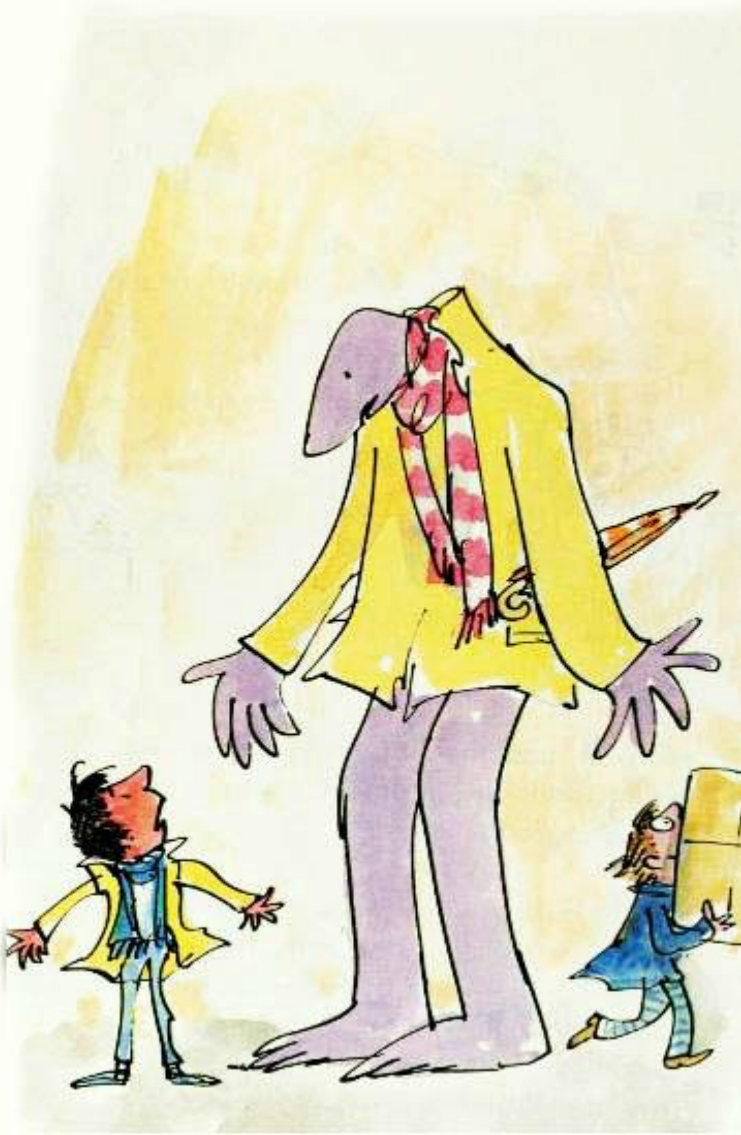

दैत्य और छोटा लड़का घर वापिस लौटे.
वे गुब्बारे को पकड़े हुए थे.
सब कुछ ठीक हुआ!

दैत्य और छोटे लड़के ने एक आदमी को गुब्बारे बेचते हुए देखा. दैत्य ने कहा, "चलो एक गुब्बारा खरीदते हैं." छोटे लड़के को यह विचार अच्छा लगा. दैत्य और छोटे लड़के ने एक बड़ा गुब्बारा चुना जो उनके पसंदीदा रंग का था. अब उनके पास घर ले जाने के लिए कुछ खास था. "मुझे वो पसंद है," छोटे लड़के ने कहा.

समाप्त